Dear Sakshi,

→ भाषा खण्ड के प्रश्नों के उत्तर को प्रभावी बनाने के लिए बिन्दुवार उदाहरणों को शामिल करें।

→ कंटेंट की समझ बेहतर है।

→ व्याकरणिक त्रुटियों से बचने के लिए नोट्स पढ़ते समय शब्दों को ध्यान से देखें।

Best Wishes

UPSC

Page No. :......................

Roll No. :......................

Name :..

Do not Write in this margin

(क) अपभ्रंश और अवहट्ट मे तुलनात्मक मूल्यांकन

अपभ्रंश की शाब्दिक अर्थ है - 'भ्रष्ट भाषा'। इसका निर्माण व विकास, संस्कृत के भाषा के विकृत होने से उत्पन्न हुआ है।

जबकि अवहट्ट शब्द संस्कृत शब्द 'अपभ्रष्ट' का तद्भव का रूप है, अपभ्रष्ट और अवहट्ट दोनो समानार्थी शब्द है, क्योकि दोनो ही भ्रष्ट भाषा को व्यक्त करते है।

भूमिका में मुख्य शब्दों की परिभाषा देना प्रभावी है

व्याकरणिक त्रुटियों से बचें

अवहट्ट

अपभ्रंश	अवहट्ट
कालान्तर ⇓	कालान्तर ⇓
(क) 7 वी से 9 शताब्दी तक	(क) नवी से 11 वी शताब्दी तक
(ख) ऐ और औ का अभाव है। जैसे - ?	(ख) ए और औ बनी रही जैसे - ?
(ग) संयोग स्वर अपभ्रंश मे बना रहा	(ग) संयोग स्वर विकृत रूप हो गया
उदाहरण अंधकार > अंधआर	उदा. अंधआर > अंधार

भाषा खण्ड में हर बिन्दु पर पर उदाहरण देना आवश्यक है।

Do not Write in this margin

UPSC

Page No. :......................

Roll No. :......................

Name :...

Do not Write in this margin

अपभ्रंश	अवहट्ट
(घ) इसमें ड़ ढ़ न श ष जैसे व्यंजनों का प्रयोग होता है। जैसे - ?	(घ) इस प्रकार इसमें ड़, ढ़ का विकाश था, तथा 'न' 'श' 'ष' का लोप हो गया। जैसे — ?
व्याकरणिक अन्तर	
संज्ञा तथा कारक अपभ्रंश	संज्ञा तथा कारक अवहट्ट
(i) निर्विभक्तिक का अभाव रहा।	निर्विभक्ति का धनी रही है।
(ii) 'का' परसर्गों का विकाश था	(ii) कर्ता कारक के लिए 'ने' उपसर्गों का प्रयोग हो रहा था कारण व उपदान के लिए 'स' का प्रयोग
(iii) हिं विभक्ति का प्रयोग बना रहा	हिं विभक्ति का प्रयोग बना रहा लेकिन 'ए' विभक्ति का प्रयोग अत्यधिक था

बिन्दुवार उदाहरणों को शामिल कर विवरण को प्रभावी बनायें

Do not Write in this margin

Name :

UPSC

Page No. :

Roll No. :

Do not Write in this margin

~~लिंग~~ वचन

अपभ्रंश	अवहट्ट
(i) एकवचन तथा बहुवचन का प्रयोग था तथा नागर अपभ्रंश मे द्विवचन का प्रयोग अधिक था	(i) एकवचन तथा बहुवचन इसमे भी प्रयोग थ ने, नही परसर्गों का विकास था
जैसे - ?	जैसे - ?

लिंग

अपभ्रंश	अवहट्ट
स्त्रीलिंग तथा पुल्लिंग का प्रयोग होता तथा नपुसंक - लिंग कही ~~लोप~~ कही हो गया	स्त्रीलिंग तथा पुल्लिंग का प्रयोग होता ~~था~~ तथा नपुसंक लिंग का लोप

कंटेंट ठीक है

अन्य अन्तर

तद्भव का प्रयोग अत्यधिक तथा तथा तद्भव का विकास संस्कृत के तद्भव से हुआ है।	तद्भव शब्द बने है किन्तु इसका विकास कम हो गया

5½/15

UPSC

Page No. :....................

Roll No. :....................

Name :..

Do not Write in this margin

अपभ्रंश की व्याकरणिक संरचना।

अपभ्रंश, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा के बाद और आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं से पहले की एक भाषा है, जिसका विकास 7 वीं से 9 शताब्दी हुआ यह प्राकृत भाषा का बिगड़ा रूप है।

भूमिका ठीक है

अपभ्रंश की व्याकरणिक विशेषताएं :-

(क) ए तथा औ का अभाव था

जैसे -?

(ख) स्वर संयोग इस प्रकार इसमे स्वरो का संयोग था

उदा अन्धकार > अन्धआर

विस्तार उदाहरणों को शामिल करें

(ग) ड़ ढ़. न श व व्यंजनो का प्रयोग होता है,

(घ) 'क' परसर्गों का विकास था तथा 'हि' विभक्ति का प्रयोग होता था

(ङ) पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग का प्रयोग अपभ्रंश मे होता था, नागर अपभ्रंश मे नपुसंक लिंग कही कही प्रयोग होता था

(च) एकवचन तथा बहुवचन का प्रयोग होता था

UPSC

Page No. :

Roll No. :

Name :

Do not Write in this margin

(ह) विशेषण जैसे एक, ग्यारह, दस आदि का प्रयोग होता था

(ज) सर्वनाम व्यवस्था मे तुम्हे के अलाव तोहार, तुम्हार का प्रयोग होने लगा

(झ) कृदन्तीय क्रियाओ का आरम्भ इस काल की विशेष घटना है

3½/10

×

UPSC

Page No. :

Roll No. :

Name :

Do not Write in this margin

अवहट्ट की व्याकरणिक संरचना

अवहट्ट, अपभ्रंश का परवर्ती रूप है इसका विकास 9 वी से ग्यारहवी शताब्दी के मध्य तक प्रचलित रही है। विद्यापति जैसे कवियों का योगदान रहा।

वाक्य को सही ढंग से व्यवस्थित कर लिखे

सक्कय वाणी बहुजण भावइ।
× × × ×
तं तै सणा जंपओ अवहट्ट

अवहट्ट की व्याकरणिक संरचना

(1) 'ऋ' और ऑ का प्रयोग हो रहा रहा।

(2) स्वर सयोंग इस प्रकार इसमे विकृत रूप दिखाई दे रहा था।

उदा अंधआर > अंधार

एक ही उदाहरण की पुनरावृत्ति मे बचें।

(3) निर्विभक्ति बनी रही।

(4) इसमे 'ने' परसर्ग तथा 'स' परसर्गो का प्रयोग होता था।

(5) 'हिं' विभक्ति तो बनी रही लेकिन अवहट्ट मे 'उ' विभक्ति का प्रचलन

UPSC

Name :.. Page No. :.................... Roll No. :....................

Do not Write in this margin

अत्यधिक था।

(6) स्त्रीलिंग तथा पुल्लिंग का विकास अवहट्ट मे था लेकिन नपुसकलिंग का लोप हो गया है था।
जैसे —

(7) एकवचन तथा बहुवचन का प्रचलन था लेकिन द्विवचन का लोप हो गया था जैसे —

(8) इस प्रकार इसमे तुम्हे तुम्हार तोहार आदि जैसे सर्वनाम का प्रयोग होता था लेकिन न्ह, न्हि परसर्गों का भी विकास था।

(9) कृतदीय विशेषण का विकास था
उदा. इकठा, आइहा, उत्ता, कित्ता

(10) कृतद्वीय क्रियाओ का तीव्र विकास हुआ

(11) इस प्रकार अवहट्ट अपभ्रंश से मिलता जुलता संरचना है।

विवरण ठीक है। उदाहरणों को शामिल कर विवरण को प्रभावी बनाये

04/10